Gmail **Prof Bahar Ahmed <pkmtrust2020@gmail.com>**

PKM: Qarze Hasanah: Google form

1 message

Bahar Ahmed <baharjh59@gmail.com> Mon, May 18, 2026 at 6:01 PM
To: pkmtrust2020@gmail.com

[09/12/2024, 9:21 am] Professor Bahar Ahmed: PKM: Qarze Hasanah: क़रज़े ह़सनह:

क़रज़े ह़सनह (Loan without interest):

ध्यान से पूरा मज़मून पढ़ें और शेष ज़रूर करें।
क़रज़े ह़सनह वह है कि किसी ज़रूरत मन्द को कोई शख्स अल्लाह की ख़ुशनूदी की ख़ातिर कुछ पैसे क़र्ज़ दे दे, और फिर बग़ैर किसी सूद (ब्याज) के वादे के अनुसार उस से वसूल कर ले। और क़रज़ देने वाला आख़िरत में उस का अजर अल्लाह से मिलने की उम्मीद रखे। अल्लाह ने इस तरह कर्ज़ देने को पसंद किया है और उस पर आख़िरत में अजरे अज़ीम देने वादा किया है। जबकि सूद (usuary) (ब्याज) पर क़र्ज़ देने को अल्लाह ने ना पसन्द किया है और उसकी सख़्ती से मुज़म्मत की है।
इसी तरह अल्लाह ने सूद (ब्याज) को ह़राम (prohibited) किया है और बैअ् (व्यापार, तिजारत) को ह़लाल, जाएज़ (Legitimate) किया है। जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि:

الَّذِينَ يَأْكُلُونَ الرِّبَا لَا يَقُومُونَ إِلَّا كَمَا يَقُومُ الَّذِي يَتَخَبَّطُهُ الشَّيْطَانُ مِنَ الْمَسِّ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا إِنَّمَا الْبَيْعُ مِثْلُ الرِّبَا وَأَحَلَّ اللَّهُ الْبَيْعَ وَحَرَّمَ الرِّبَا فَمَن جَاءَهُ مَوْعِظَةٌ مِّن رَّبِّهِ فَانتَهَىٰ فَلَهُ مَا سَلَفَ وَأَمْرُهُ إِلَى اللَّهِ وَمَنْ عَادَ فَأُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿البقرة: ٢٧٥﴾

Those who devour usury will not stand except as stand one whom the Evil one by his touch Hath driven to madness. That is because they say: "Trade is like usury," but Allah hath permitted trade and forbidden usury. Those who after receiving direction from their Lord, desist, shall be pardoned for the past; their case is for Allah (to judge); but those who repeat (The offence) are companions of the Fire: They will abide therein (for ever). (2: 275)
यानी: सूद ख़ोर न खड़े हो सकेंगे, मगर इस तरह जिस तरह वह खड़ा होता है, जिसे शैतान ने छू कर ख़बती बना दे, यह इस लिए कि यह कहा करते थे, कि तिजारत भी तो सूद की ही तरह है, हालांकि अल्लाह ताला ने तिजारत को ह़लाल किया है और सूद को ह़राम किया है। जो शख्स अपने पास आई हुई नसीह़त अल्लाह की नसीह़त सुन कर रुक गया, उस के लिए वह है, जो गुज़रा, और उस का मामला अल्लाह की तरफ़ है, और जो फिर दोबारा ह़राम की तरफ लौटा, वह शख्स जहन्नमी है, वह उस में हमेशा ही रहेंगे।
सूद (usuary) और तिजारत (trade) में बुनियादी फ़र्क यह है कि: सूद में हर हालत में क़र्ज़ देने वाले को नफ़ा ही नफा् है, चाहे क़र्ज़ लेने वाला कितने ही घाटे में चल रहा हो, क़र्ज़ देने वाला उस से अपना सूद वसूल कर के ही रहैगा। जो कि एक ज़ुल्म है, और अल्लाह तआ़ला किसी तरह भी ज़ुल्म को पसंद नहीं करता।
जबकि तिजारत में क़र्ज़ देने वाला भी क़रज़ लेने वाले के घाटे में अपने अपने शेयर के मुताबिक़ शरीक होता है। और इसी तरह नफ़े में भी अपने अपने शेयर के मुताबिक़ शरीक होता है, जो कि एक इन्साफ है, और अल्लाह तआ़ला इन्साफ को पसंद करता है। इस लिए अल्लाह तआला ने सूद को हराम कर दिया, और तिजारत को जायज़ कर दिया।
इसी तरह क़रज़े ह़सनह में कर्ज़ देने वाले को अल्लाह तआला ने अपने पास से अजरे अज़ीम देने का वादा किया है, और कर्ज़ लेने वाले से कुछ नहीं लिया जाता। क्योंकि क़र्ज़ लेने वाला मजबूरी में क़रज़ लेता है और मजबूर होता है, इसलिए मजबूरी की हालत में उस से कुछ वसूल करना ज़ुल्म है। इसीलिए अल्लाह ने क़र्ज़ देने वाले को अपने पास से अजरे अज़ीम देने का वादा किया है।
हाँ अलबत्ता क़र्ज़ लेने वाला क़र्ज़ अदा करने के बाद अपनी खुशी से क़र्ज़ देने वाले को उसके एहसान करने की वजह से कुछ देना चाहे, यह जायज़ है।
अल्लाह ने कर्जे ह़सनह देने वाले के लिए अजरे अज़ीम देने वादा किया है जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि:

وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ وَأَقْرِضُوا اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا وَمَا تُقَدِّمُوا لِأَنفُسِكُم مِّنْ خَيْرٍ تَجِدُوهُ عِندَ اللَّهِ هُوَ خَيْرًا وَأَعْظَمَ أَجْرًا وَاسْتَغْفِرُوا اللَّهَ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿المزمل: ٢٠

And establish regular Prayer and give regular Charity; and loan to Allah a Beautiful Loan. And whatever good ye send forth for your souls ye shall find it in Allah's Presence,- yea, better and greater, in Reward and seek ye the Grace of Allah: for Allah is Oft-Forgiving, Most Merciful. (73: 20)
यानी : और नमाज़ क़ाइम (पाबंदी से) करो, और ज़कात (charity) अदा करते रहो। और अल्लाह की ख़ुशनूदी हासिल करने के लिए अल्लाह को क़रज़ (क़रज़े ह़सनह) दो। और जो भी नेकी तुम आगे भेजोगे, उसे अल्लाह के यहां बेहतर से बेहतर और सवाब में बहुत ज्यादा (अजरे अज़ीम) पाओगे। और अल्लाह तआला से माफी् मांगते रहो, यक़ीनन अल्लाह तआला बख्शने वाला मेहमान है।

चूंकि अल्लाह को सूद पसंद नहीं है, इसलिए उस ने सूद के निज़ाम को ख़त्म करने के लिए एक तरफ़ तो कर्ज़ ह़सनह का निज़ाम क़ाईम करने का हुक्म दिया है और दूसरी तरफ़ तिजारत (trading) क़ाइम करने की तरग़ीब दी है, ताकि सूदी निज़ाम ख़तम हो जाऐ, और कर्ज़ ह़सनह और तिजारत का निज़ाम क़ाईम हो जाए। और क़रज़े ह़सनह देने पर वादा किया है कि जो भी कोई क़रज़े ह़सनह देगा, अल्लाह तआला उसके माल को बहुत ज्यादा बढ़ाएगा।
जैसा कि अल्लाह तआला का हुकम है कि:

مَّن ذَا الَّذِي يُقْرِضُ اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا فَيُضَاعِفَهُ لَهُ أَضْعَافًا كَثِيرَةً وَاللَّهُ يَقْبِضُ وَيَبْسُطُ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿البقرة: ٢٤٥﴾

Who is he that will loan to Allah a beautiful loan, which Allah will double unto his credit and multiply many times? It is Allah that giveth (you) Want or plenty, and to Him shall be your return. (2: 245)

यानी: ऐसा भी कोई है जो अल्लाह तआला को अच्छा क़र्ज़ दे, पस अल्लाह तआला उस को बहुत बढ़ा चढ़ा कर अ़ता कर दे। अल्लाह ही तंगी और वुसअत अता करता है, और तुम सब अल्लाह ही तरफ़ लौटाए जाओगे।
ऐक हदीसे नबवी (स) का मफ़हूम है कि जब कोई बन्दह अल्लाह की ख़ुशनूदी के लिए सदक़ह देता है (क़र्ज़े ह़सनह भी एक सदक़े ही की शकल है), तो अल्लाह ताला उस सदक़े को अपने दाएँ हाथ में लेता है और फिर उस को कई गुना बढ़ाता है। और बढ़ाकर फिर उस को उसी बन्दे को वापस कर देता है। जैसे कोई शख़्स घोड़े का एक बच्चा किसी से ले ले, और उसको पाल के परवरिश करके फिर उसी शख़्स को वापस कर दे।
अल्लाह ताला ने क़रज़े ह़सनह देने वाले से माल के बढ़ोतरी के साथ मग़फ़िरत का वादा भी किया है, जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि:

إِن تُقْرِضُوا اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا يُضَاعِفْهُ لَكُمْ وَيَغْفِرْ لَكُمْ وَاللَّهُ شَكُورٌ حَلِيمٌ ﴿التغابن: ١٧﴾

If ye loan to Allah, a beautiful loan, He will double it to your (credit), and He will grant you Forgiveness: for Allah is most Ready to appreciate (service), Most Forbearing,- (64: 17)
अगर तुम अल्लाह को क़रज़े ह़सनह दोगे, तो वह उस को दो गुना कर देगा, और तुम्हारी मग़फ़िरत भी कर देगा। अल्लाह तआला क़दर करने वाला और बहुत ह़लीम (नरम मिज़ाज) है।
अल्लाह ताला ने क़रज़े देने वाले की मग़फ़िरत करने का और जन्नत का वादा किया है, जैसे कि बनी इस्राइल से वादा किया था, जैसा कि इर्शाद है कि:

وَلَقَدْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ بَنِي إِسْرَائِيلَ وَبَعَثْنَا مِنْهُمُ اثْنَيْ عَشَرَ نَقِيبًا وَقَالَ اللَّهُ إِنِّي مَعَكُمْ لَئِنْ أَقَمْتُمُ الصَّلَاةَ وَآتَيْتُمُ الزَّكَاةَ وَآمَنتُم بِرُسُلِي وَعَزَّرْتُمُوهُمْ وَأَقْرَضْتُمُ اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا لَّأُكَفِّرَنَّ عَنكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ وَلَأُدْخِلَنَّكُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِن تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ فَمَن كَفَرَ بَعْدَ ذَٰلِكَ مِنكُمْ فَقَدْ ضَلَّ سَوَاءَ السَّبِيلِ ﴿المائدة: ١٢﴾

Allah did aforetime take a covenant from the Children of Israel, and we appointed twelve captains among them. And Allah said: "I am with you: if ye (but) establish regular prayers, practise regular charity, believe in my messengers, honour and assist them, and loan to Allah a beautiful loan, verily I will wipe out from you your evils, and admit you to gardens with rivers flowing beneath; but if any of you, after this, resisteth faith, he hath truly wandered from the path or rectitude." (5: 12)
यानी: अल्लाह तआला ने बनी इस्राइल से ऐहदों पैमान लिया और उन्हीं में से हमने बारह सरदार मुक़र्रर किये। और अल्लाह तआला ने फरमाया की यक़ीनन मैं तुम्हारे साथ हूं। अगर तुम नमाज़ क़ाईम रखोगे और ज़कात देते रहोगे, और मेरे रसूलों को मानते होगे, और उन की मदद करते रहोगे, और अल्लाह को क़रज़े ह़सनह देते रहोगे
तो यक़ीनन मैं तुम्हारी बुराइयाँ तुम से दूर रखूंगा, और तुम्हें उन जन्नतों में ले जाऊंगा, जिन के नीचे चश्में बह रहे हैं। अब इस ऐहदों पैमान के बाद भी तुम में से जो इनकारी हो जाए, वह यक़ीनन रास्ते से भटक गया।

अल्लाह ने औरतों और मर्दो से दोनों से वादा किया है कि जो कोई मर्द और औरत सदक़ा और कर्जे ह़सनह देगा, अल्लाह उस को कई गुना ज्यादा करदेगा और उन को अजरे करीम (इज्ज़त वाला अजर) अ़ता करेंगा, जैसा कि इर्शाद है कि:

إِنَّ الْمُصَّدِّقِينَ وَالْمُصَّدِّقَاتِ وَأَقْرَضُوا اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا يُضَاعَفُ لَهُمْ وَلَهُمْ أَجْرٌ كَرِيمٌ ﴿الحديد: ١٨﴾

For those who give in Charity, men and women, and loan to Allah a Beautiful Loan, it shall be increased manifold (to their credit), and they shall have (besides) a liberal reward. (57: 18)।
यानी: जो कोई मर्द और औरत सदक़ह और कर्ज़ ह़सनह देगा तो वह उस व्यक्ति के खाते में कई गुना बढ़ जाएगा और उन के लिए इज्जत वाला अजर है।

तो इस तरह अल्लाह तआला जहाँ सदक़े के माल को बढ़ाता है और तो उसके बरअक्स सूद को घटाता है। जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि:।

يَمْحَقُ اللَّهُ الرِّبَا وَيُرْبِي الصَّدَقَاتِ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ كُلَّ كَفَّارٍ أَثِيمٍ ﴿البقرة: ٢٧٦﴾

Allah will deprive usury of all blessing, but will give increase for deeds of charity: For He loveth not creatures ungrateful and wicked. (2: 276)
यानी : अल्लाह सूद को घटाता है और सदक़ात को बढ़ाता है, और अल्लाह ताला ना शुकरे और गुनहगार व्यक्ति को पसंद नहीं करता।

अल्लाह ताला का इर्शाद है कि तुम जो सूद देते हो, वह अल्लाह के यहां नहीं बढ़ता और जो तुम सदक़ह देते हो वह अल्लाह के यहां बढ़ता है, जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि

وَمَا آتَيْتُم مِّن رِّبًا لِّيَرْبُوَ فِي أَمْوَالِ النَّاسِ فَلَا يَرْبُو عِندَ اللَّهِ وَمَا آتَيْتُم مِّن زَكَاةٍ تُرِيدُونَ وَجْهَ اللَّهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُضْعِفُونَ ﴿الروم: ٣٩﴾

That which ye lay out for increase through the property of (other) people, will have no increase with Allah: but that which ye lay out for charity, seeking the Countenance of Allah, (will increase): it is these who will get a recompense multiplied. (30: 39)
यानी: जो तुम सूद पर सूद देते हो, ताकि लोगों के माल में का माल में बढ़ता रहै, तो वह अल्लाह तो के यहां नहीं बढ़ता, और जो तुम अल्लाह का चेहरा देखने के लिए और अल्लाह की ख़ुशनूदी हासिल करने के लिए सदक़ह देते हो, अल्लाह के यहां बढ़ता है। ऐसे ही लोग अपने माल को दो चंद करने वाले हैं।
अल्लाह ताला के इन इर्शादात से वाज़ेह हो जाता है कि सूद अल्लाह को पसंद नहीं है और वह अल्लाह की नाराज़गी का सबब है इसलिए अल्लाह ने इर्शाद फ़रमाया की जो सूद है, उस को छोड़ दो अपनी अस्ल रक़म ले लो। नहीं तो ऐसा व्यक्ति अल्लाह से और रसूल से जंग का ऐलान करता है। जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है कि

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَذَرُوا مَا بَقِيَ مِنَ الرِّبَا إِن كُنتُم مُّؤْمِنِينَ ﴿البقرة: ٢٧٨﴾

O ye who believe! Fear Allah, and give up what remains of your demand for usury, if ye are indeed believers. (2: 278)

यानी :ऐ ईमान वालों! अल्लाह से डरो, और उस को छोड़ दो, जो सूद में बाक़ी बचा है, अगर तुम मोमिन हो।

فَإِن لَّمْ تَفْعَلُوا فَأْذَنُوا بِحَرْبٍ مِّنَ اللَّهِ وَرَسُولِهِ ۖ وَإِن تُبْتُمْ فَلَكُمْ رُءُوسُ أَمْوَالِكُمْ لَا تَظْلِمُونَ وَلَا تُظْلَمُونَ [٢:٢٧٩]

If ye do it not, Take notice of war from Allah and His Messenger: But if ye turn back, ye shall have your capital sums: Deal not unjustly, and ye shall not be dealt with unjustly.

यानी : अगर तुम ऐसा नहीं करोगे, तो अल्लाह ताला से और उसके रसूल से लड़ने के लिए तैयार हो जाओ।

दूसरे मुकाम पर अल्लाह ने सूद की इस तरह मुज़म्मत की है और दर्दनाक अ़ज़ाब की व़ईद की है जैसा कि इर्शाद है कि :

وَأَخْذِهِمُ الرِّبَا وَقَدْ نُهُوا عَنْهُ وَأَكْلِهِمْ أَمْوَالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ وَأَعْتَدْنَا لِلْكَافِرِينَ مِنْهُمْ عَذَابًا أَلِيمًا ﴿النساء: ١٦١﴾

That they took usury, though they were forbidden; and that they devoured men's substance wrongfully;- we have prepared for those among them who reject faith a grievous punishment. (4: 161)।

यानि: और सूद जिस से मना किये गये थे, उसे लेने के बाइस और लोगों का माल ना हक़ मार खाने के बाइस और जो उनमें कुफ़्फ़ार हैं, हमने उन के लिए अलमनाक अ़ज़ाब तैयार कर रखा है।

पस सूद एक ना ह़क़ और बातिल माल है और ज़ुल्म के ज़रिए हासिल होता है, अल्लाह ने उस को छोड़ दे ने का हुक्म दिया है। और उस को खाने यानी अपने इस्तेमाल में नहीं लाने हुकुम दिया है।

लिहाज़ा बैंक वग़ैरह से जो सूद मिलता है उस को अपने ज़ाती इस्तेमाल में नहीं लाना चाहिए।

इस लिए सूद के पैसे को अगर है, तो उस को इन्कम टैक्स में, या किसी दूसरी जगह सूद की ही अदाएगी में दिया जा सकता है।

मसलन किसी ने लोन पर क़रज़ लिया, उस में कुछ रक़म सूद की देनी पड़ जाए। और दूसरी तरफ उस ने कोई पोलीसी ले ली, उस में सूद की कुछ रक़म आ गई, तो इस सूद की रक़म को लोन के सूद में दिया जा सकता है।

और अगर कहीं ना ह़क़ रिश्वत देनी पड़ जाए, उस में भी सूद के पैसे को दिया जा सकता है।

चोर और डाकू वगैरह ने माल छीन लिया है, तो उस के नुकसान की सूद के पैसे से भरपाई की जा सकती है।

अल्लाह ने सूद के सिस्टम को खत्म करने के लिए क़रज़े ह़सनह की तरग़ीब दी है और और क़रज़े ह़सनह पर बे शुमार वादे किए हैं, जो इस मज़मून में बयान कर दिये गये हैं।

पीस कीपिंग मुवमैंट की तरफ से भी ह़त्तुल इमकान कोशिश की जा रही है कि सूद का सिस्टम ख़त्म किया जाए और कर्ज़े ह़सनह का सिस्टम क़ायम किया जाए ताकि उम्मत सूद की लानत से बच जाए और अल्लाह की तरफ से क़रज़े ह़सनह के वादों से सरफराज़ हो जाए।। लिहाज़ा सभी ह़जरात से अपील है कि पीस कीपिंग मुवमैंट के करंट अकाउंट में क़रज़े ह़सनह के सिस्टम को क़ायम करने के लिए अपनी अपनी हैसियत के मुताबिक अल्लाह के वादों पर यकीन करते हुए और आख़िरत में अजरे अज़ीम और अजरे करीम हासिल करने के लिए डैनेशन जमा करें, इस के लिए गूगल फोरम अपलोड कर दिया गया है।जिस में अकाउंट नम्बर और बार कोड दिये गये हैं और गूगल फोरम को भरने और पैसा जमा करने का तरीका भी समझा दिया गया है।

गूगल फोरम का लिंक यह है।

https://forms.gle/YNBmFPfN9FQTHU8E7

इस मज़मून को सभी लोगों में शेयर करें, ताकि सभी लोग गूगल फोरम को भर दें। और पीस कीपिंग मुवमैंट की मुख्य धारा में जुड़ जाएं।

फ़कत वस्सलाम।

प्रोफेसर बहार अहमद
अध्यक्ष/सी ई ओ : पीकेएम
पीस कीपिंग मुवमैंट
वोलुन्टियरी एसोसिएशन (एन जी ओ, ट्रस्ट)
कन्टरिबुयूटरी एन्ड चैरिटेबल ओरगनाइज़ेशन
रजिस्ट्रेशन नम्बर 714
०७-१२-२०२४.
****

[22/12/2024, 12:52 pm] Professor Bahar Ahmed: PKM membership Google form

https://forms.gle/YNBmFPfN9FQTHU8E7

Kindly fill up the form:

How to fill the the Google form link given above.
Kindly check your internet connection.
And tick mark the email box.
Some instructions are given here
1: Click/touch on the link given above, then click on icon of chrome
2 : fill up the entries as required
3:Make the payment either via account number or via QR code,
4:Long press on this QR code, then download the QR code it will reach in the gallery.
5: Search in the gallery,
Click or touch it, and then make the payment

You can also upload the screenshot of the payment.
6:Enter your name, and name of the city
7: Then submit the form.
8:The life membership fee is one time only in the life.
9: Donate lumpsum amount as much as you can for the welfare of Muslim community.
The donated money; and Zakat & Sadqah money are income tax exempted under 80G. The receipt & 80G certificate will be given, which can be used get tax rebate/tax exemptions.

10: Kindly share this message among Muslims brethren with Google form link so that every Muslim can fill in the form and become the member of PKM as volunteers.
11: Auditing: The auditing of both Current account and Saving accounts of PKM will be conducted every 2-3 years, so that utilization of funds is done in proper way, and must not be misused in any way.

Regards
Professor S. Bahar Ahmed
President/CEO PKM
Peace Keeping Movement
A Voluntary Association (NGO Trust)
A Contributory and Charitable Organization
Registration No 714
PAN card number: AAETP6360N

23-09-2024

******PKM सदस्यता Google गूगल फ़ॉर्म

https://forms.gle/YNBmFPfN9FQTHU8E7

कृपया फ़ॉर्म भरें:

ऊपर दिए गए Google फ़ॉर्म को कैसे भरें। इस के कुछ निर्देश नीचे दिए गए हैं।
कृपया अपना इंटरनेट कनेक्शन जांचें।
और ईमेल बॉक्स पर टिक मार्क करें।
यहाँ कुछ निर्देश दिए गए हैं
1: ऊपर दिए गए लिंक पर क्लिक/टच करें, फिर क्रोम के आइकन पर क्लिक करें
2: आवश्यकतानुसार प्रविष्टियाँ भरें
3:अकाउंट नंबर या क्यूआर कोड के ज़रिए भुगतान करें,
4:इस क्यूआर कोड पर लंबे समय तक दबाएँ, फिर क्यूआर कोड डाउनलोड करें, यह गैलरी में पहुँच जाएगा।
5: गैलरी में क्यू आर कोड की इमेज को अपने पेमेंट माध्यम (फ़ोन पे, पीटीएम वग़ैरह) के द्वारा खोजें,
क्यू आर कोड को क्लिक करें या टच करें, और फिर भुगतान करें
आप भुगतान का स्क्रीनशॉट भी अपलोड कर सकते हैं।
6:अपना नाम और शहर का नाम दर्ज करें
7: फिर फ़ॉर्म सबमिट करें।
8:आजीवन सदस्यता शुल्क जीवन में केवल एक बार है।
9: मानवता के कल्याण के लिए जितना संभव हो सके एकमुश्त राशि (डोनेट या) दान करें। दान की गई राशि, तथा जकात और सदका की राशि 80जी के तहत आयकर मुक्त है। रसीद और 80जी प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जिसका उपयोग कर छूट/कर छूट प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
10: कृपया इस संदेश को सभी समुदायों के भाइयों के बीच गूगल फॉर्म लिंक के साथ साझा करें ताकि हर व्यक्ति फॉर्म भर सके और स्वयंसेवक (वोलुन्टियर) के रूप में पीकेएम का सदस्य बन सके।
11: ऑडिटिंग: पीकेएम के चालू खाते और बचत खातों दोनों की ऑडिटिंग हर 2-3 साल में की जाएगी, ताकि धन का सही तरीके से उपयोग हो सके और इसका किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो।
सादर
प्रोफ़ेसर एस. बहार अहमद (रिटायर्ड)
जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
अध्यक्ष/सीईओ पीकेएम
शांति बनाए रखने का आंदोलन
एक स्वैच्छिक संघ (एनजीओ ट्रस्ट)
एक योगदानकर्ता और धर्मार्थ संगठन
पंजीकरण संख्या 714
पैन कार्ड संख्या: AAETP6360N

24-11-2024

******

[22/12/2024, 12:52 pm] Professor Bahar Ahmed: PKM सदस्यता Google गूगल फ़ॉर्म

https://forms.gle/YNBmFPfN9FQTHU8E7

कृपया फ़ॉर्म भरें:

ऊपर दिए गए Google फ़ॉर्म को कैसे भरें। इस के कुछ निर्देश नीचे दिए गए हैं।
कृपया अपना इंटरनेट कनेक्शन जांचें।
और ईमेल बॉक्स पर टिक मार्क करें।
यहाँ कुछ निर्देश दिए गए हैं
1: ऊपर दिए गए लिंक पर क्लिक/टच करें, फिर क्रोम के आइकन पर क्लिक करें
2: आवश्यकतानुसार प्रविष्टियाँ भरें
3:अकाउंट नंबर या क्यूआर कोड के ज़रिए भुगतान करें,
4:इस क्यूआर कोड पर लंबे समय तक दबाएँ, फिर क्यूआर कोड डाउनलोड करें, यह गैलरी में पहुँच जाएगा।
5: गैलरी में क्यू आर कोड की इमेज को अपने पेमेंट माध्यम (फ़ोन पे, पीटीएम वग़ैरह) के द्वारा खोजें,
क्यू आर कोड को क्लिक करें या टच करें, और फिर भुगतान करें
आप भुगतान का स्क्रीनशॉट भी अपलोड कर सकते हैं।
6:अपना नाम और शहर का नाम दर्ज करें
7: फिर फ़ॉर्म सबमिट करें।
8:आजीवन सदस्यता शुल्क जीवन में केवल एक बार है।
9: मानवता के कल्याण के लिए जितना संभव हो सके एकमुश्त राशि (डोनेट या) दान करें। दान की गई राशि, तथा जकात और सदका की राशि 80जी के तहत आयकर मुक्त है। रसीद और 80जी प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जिसका उपयोग कर छूट/कर छूट प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
10: कृपया इस संदेश को सभी समुदायों के भाइयों के बीच गूगल फॉर्म लिंक के साथ साझा करें ताकि हर व्यक्ति फॉर्म भर सके और स्वयंसेवक (वोलुन्टियर) के रूप में पीकेएम का सदस्य बन सके।
11: ऑडिटिंग: पीकेएम के चालू खाते और बचत खातों दोनों की ऑडिटिंग हर 2-3 साल में की जाएगी, ताकि धन का सही तरीके से उपयोग हो सके और इसका किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो।
सादर
प्रोफ़ेसर एस. बहार अहमद (रिटायर्ड)
जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
अध्यक्ष/सीईओ पीकेएम
शांति बनाए रखने का आंदोलन
एक स्वैच्छिक संघ (एनजीओ ट्रस्ट)
एक योगदानकर्ता और धर्मार्थ संगठन
पंजीकरण संख्या 714
पैन कार्ड संख्या: AAETP6360N

24-11-2024

******

[22/12/2024, 12:53 pm] Professor Bahar Ahmed: पीकेएम के फंड्स के इख़राजात:
पीकेएम के फंड्स कहां कहां खर्च किये जाएंगे।

पीस कीपिंग मुवमैंट एक वोलुन्टियरी एसोसिएशन एन. जी. ओ. ट्रस्ट, और कंट्रीब्यूटरी चैरिटेबल ओरगनाइज़ेशन है। भारत सरकार से रजिस्ट्ररड और मान्यता प्राप्त है।
इस के अंतर्गत जो फंड्स इकठ्ठे किये जाएंगे और फिर ख़र्च किये जाएंगे। उन का विवरण इस प्रकार है।
A: पीकेएम के अकाउंट्स निम्नलिखित हैं।
१- करंट अकाउंट: इस के अंतर्गत मेम्बरशिप और डोनेशन का पैसा लिया जाएगा और जमा किया जाएगा।
२- सेविंग अकाउंट: इस के अंतर्गत ज़कात, सदक़ा (दान, ख़ैरात), फ़ितरा का पैसा लिया जाएगा और जमा किया जाएगा।
B: पीकेएम के फंड्स निम्नलिखित जगहों पर खर्च किये जाएंगे।
१: करंट अकाउंट का पैसा ज़रूरतमंद लोगों को, बेरोज़गार वग़ैरह लोगों को कोई रोज़गार करने के लिए क़रज़े ह़सनह (लोन बग़ैर सूद के, Loan without interest) के दिया जाएगा।
क़रज़े ह़सनह लेने वाले लोगों का कोई सोने का ज़ेवर ऐक्सिस बैंक के लौकर में गिरवी (रहन) के तौर पर रखा जाएगा । और लौकर का किराया ख़ुद कर्ज़ लेने वाला अदा करेगा। और वह महीने वार पीकेएम के खाते में किस्तें जमा करता रहैगा। जब क़रज़े की मात्रा पूरी हो जाएगी, तो उसका ज़ेवर वापस कर दिया जाएगा।

२-सेविंग अकाउंट का पैसा ज़रूरत मंदों को, बीमारों को, बेवा औरतों (widows) को, यतीमों (orphans) को, भुखमरी से ग्रस्त लोगों को , ग़रीब बच्चों की फ़ीस में, प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों को, असमर्थ लोगों को, असमर्थ और नादार लोगों की बेटियों की शादी वग़ैरह वग़ैरह में ख़र्च किया जाएगा। और यह पैसा वापस नहीं लिया जाएगा।

लिहाज़ा सभी लोगों से मेरा निवेदन है कि दिल खोल कर डोनेशन करंट अकाउंट में, और ज़कात, सदक़ा, फ़ितरा, दान, ख़ैरात सेविंग अकाउंट में जमा करें। और सिर्फ मानवता की सेवा के लिए अल्लाह की ख़ुसनूदी और रज़ा हासिल करने के लिए और अल्लाह से अच्छे बदले के लिए जमा करें, ताकि उस पैसे को पूरी
इंसानियत की भलाई के लिए ख़र्च किया जा सके।
एक हज़ार रुपये या ज़्यादा मात्रा पर पीकेएम की तरफ़ से रसीद भी डाक द्वारा भेजी जाएगी, ताकि लोग उस को इन्कम टैक्स रिटर्न के समय 80G के अन्तर्गत इन्कम टैक्स रिबेट के कलेम के लिए इस्तेमाल कर सकें। एक लाख या ज़्यादा मात्रा डोनट करने वाले को पीकेएम की तरफ से सर्टिफिकेट ओफ एपरिसिऐशन (Certificate of Appreciation) भी दिया जाएगा।
पीकेएम के खातों की हर २-३ साल में औडिटिंग (Auditing) भी कराई जाया करेगी, ताकि पैसे का सही इस्तेमाल होता रहै।
हर साल पीकेएम की सालाना Annual रिपोर्ट भी जारी की जाया करेगी।
वक्तन फ़वक्तन (समय समय पर) पीकेएम के उद्देश्यों का और योजनाओं का विस्तार भी किया जाता रहैगा।
किसी भी प्रकार की सहायता फंड की जमा पूंजी की मात्रा पर निर्भर करेगी।
अतः आप सभी लोगों से निवेदन है कि इस कारे ख़ैर (भलाई के काम) में हर तरह से योगदान दें।
और मैसेज को गूगल फॉर्म के साथ सभी लोगो में शेयर करें, ताकि सभी लोग इस भले काम में अपनी-अपनी हैसियत के मुताबिक़ सहयोग और योगदान दे सकें।
साथ में गूगल फॉर्म भी नत्थी कर दिया गया है, जिसमें अकाउंट नम्बर और बार कोड भी दे दिये गये हैं।
और उस में गूगल फॉर्म भरने के लिए निर्देश भी दे दिए गए हैं।
सादर
प्रोफेसर स. बहार अहमद (रिटायर्ड)
जामिया हमदर्द, नई दिल्ली।
अध्यक्ष/सी. ई. ओ. पीकेएम
पीस कीपिंग मुवमैंट
वोलुन्टियरी एसोसिएशन (एन जी ओ, ट्रस्ट)
चैरिटेबल ओरगनाइज़ेशन
रजिस्ट्रेशन नम्बर 714
पैन कार्ड नम्बर: AAETP6360N
Email: pkmtrust2020@gmail.com
Head Office: RZ-3308/37, Tughlakbad Extension, New Delhi 110019.
20-11-2024
******
[22/12/2024, 12:57 pm] Professor Bahar Ahmed: Kindly fill up the attached google form for becoming life member and active member of PKM
And donate some lumpsum amount for the purpose of PKM schemes in current account.
Also deposit zakat fitra, dan etc in saving account for the needy persons .
[07/01/2025, 9:47 pm] Professor Bahar Ahmed: پی کے ایم کا تاحیات رکن اور فعال رکن بننے کے لیے برائے مہربانی منسلک گوگل فارم کو پُر کریں۔

اور کرنٹ اکاؤنٹ میں پی کے ایم اسکیموں کے مقصد کے لیے کچھ یکمشت رقم عطیہ کریں۔
ضرورت مندوں کے سیونگ اکاؤنٹ میں زکوٰۃ فطرہ، دان وغیرہ بھی جمع کروائیں۔
منجانب پیس کیپنگ موومینٹ

[10/04/2025, 7:23 am] Professor Bahar Ahmed: Note:
1: If you feel any problem in paying through WR Code, the account number have also been given. You can pay directly via account number.
2: Via QR Codes from gallery, only Rs 2000/- can be paid. For more, kindly pay directly via account number, or scan QR code fr Google form by another phone, the send in your mobile phone then you can pay more amount.
3: Kindly read the instructions carefully, if you feel any difficulty please contact me on phone.

4: For life membership, active membership and lumpsum donation, the Bar code is same which is of current account.
For Zakat etc it is of saving account.
Professor Bahar Ahmed
******

(Prof. (Dr.) BAHAR AHMED)

Antihepatotoxic Research Laboratory

Department of Pharmaceutical Chemistry,

School of pharmaceutical education and Research (SPER)

Jamia Hamdard (Hamdard University)

Hamdard Nagar, New Delhi-110062, India

(Mobile): +91-9990084319

Email: drbaharahmed40@gmail.com

bakhan_ph@jamiahamdard.ac.in

baharjh59@gmail.com

Ph: 011-26059688; Extn 5623